

Daily Editorial Analysis

टीबी रोगियों के लिए
खाद्य वैक्सीन



Important Editorial Analysis

टीबी रोगियों के लिए खाद्य वैक्सीन

हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, टीबी रोगियों में कोरोना होने का खतरा अन्य लोगों से दोगुना अधिक होता है। जबकि इसके विपरीत कोरोना से ग्रस्त मरीजों में भी टीबी होने की सम्भावना अधिक होती है। मंत्रालय के अनुसार विभिन्न शोधों से पता चला है कि कोरोना से ग्रस्त 0.37 से 4.47 फीसदी मरीजों में टीबी के लक्षण पाए गए हैं।

लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में करंट अफेयर्स के कई प्रश्न पूछे जाते हैं। यहां, हम आपको बेहद ही महत्वपूर्ण करंट अफेयर्स विषय “टीबी रोगियों के लिए खाद्य वैक्सीन” संबंधित अध्ययन नोट्स प्रदान कर रहे हैं जो आगामी UPPSC, UP Lekhpal, UPPSC RO/ARO आदि परीक्षाओं के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण होगा।

दवाओं की खोज से पहले टीबी प्रबंधन

यह लंबे समय से जाना जाता था कि स्वच्छ हवा और पोषण ने टीबी रोगियों की मदद की क्योंकि 1943 में तपेदिक (टीबी) के लिए दवाओं की खोज से पहले ही, इस बात का काफी अच्छा ज्ञान था कि अच्छी हवा और पोषण से टीबी की बीमारी कैसे कम होती है, यही कारण है कि टीबी के इलाज की तलाश में पहाड़ी इलाकों में ताजी हवा, शुद्ध पानी और अच्छे भोजन के साथ सेनेटोरियम स्थापित किए गए।

बेहतर रहने की स्थिति और पोषण ने टीबी मृत्यु दर को किस प्रकार कम किया

- उपचार के आगमन से बहुत पहले ही सामाजिक-आर्थिक रूप से विकसित देशों से टीबी गायब हो गया था जिसका प्रमाण, बेहतर मजदूरी, बेहतर जीवन स्तर और भोजन के लिए उच्च क्रय शक्ति के साथ, इंग्लैंड और वेल्स में टीबी मृत्यु दर प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 300 लोगों से घटकर 60 होना है।
- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद प्राप्त अध्ययनों में भी पाया गया कि अधिक पौष्टिक भोजन मिलने से ब्रिटिश सैनिकों के बीच टीबी की घटनाओं में 92% की कमी पायी गयी।

दवाओं की खोज के बाद टीबी प्रबंधन

- उपचार की खोज के बाद से रहने की स्थिति और पोषण की अनदेखी की गई, 1943 में टीबी के इलाज के लिए स्ट्रेप्टोमाइसिन की खोज के बाद अच्छे पोषण के ऐतिहासिक महत्व को नजरअंदाज कर दिया गया था तथा रोगाणुओं को मारने वाले एंटीबायोटिक खोजने के उत्साह में, रोग के



सामाजिक निर्धारकों को नजरअंदाज कर दिया गया, परन्तु आधुनिक चिकित्सकों ने स्ट्रेप्टोमाइसिन इंजेक्शन, आइसोनियाजिड और पैरा-एमिनोसैलिसिलिक एसिड के साथ टीबी को नियंत्रित करने की कोशिश की।

- टीबी के लिए रिफैम्पिसिन, एथमब्युटोल, पायराज़िनामाइड जैसी अधिक दवाओं के विकास के साथ, टीबी बैक्टीरिया के खिलाफ लड़ाई जारी रही।
- एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक और अनुपयुक्त उपयोग के कारण टीबी बहुऔषध प्रतिरोधी (एमडीआर-टीबी) बन गया।

भारत में टीबी की स्थिति

- भारत में लगभग 28 लाख सक्रिय टीबी के मामले हैं।
- टीबी को गरीबों की बीमारी माना जाता है और गरीबों के इलाज के लिए जाने की संभावना तीन गुना कम होती है और टीबी के लिए अपना इलाज पूरा करने की संभावना चार गुना कम होती है।
- छत्तीसगढ़ के जन स्वास्थ्य सहयोग अस्पताल की एक टीम ने पाया कि खराब पोषण की स्थिति टीबी के उच्च जोखिम से जुड़ी थी।
- 2004-09 के दौरान, टीबी रोग से पीड़ित पुरुषों का औसत शरीर का वजन 42.1 किलोग्राम और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 16 था। महिलाओं का औसत शरीर का वजन 34.1 किलोग्राम और बॉडी मास इंडेक्स 15 था।
- कुपोषण के इन स्तरों के परिणामस्वरूप टीबी के कारण मृत्यु दर में दो-चार गुना वृद्धि हुई है।
- 2014 में हुए शोध ने यह भी स्थापित किया कि भारत की टीबी महामारी का मुख्य कारण कुपोषण है।



टीबी रोगियों में कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए सरकार की पहल

- स्वास्थ्य मंत्रालय के केंद्रीय टीबी डिवीजन ने "मार्गदर्शन दस्तावेज - भारत में तपेदिक के रोगियों के लिए पोषण देखभाल और सहायता" का मसौदा तैयार किया जो 2016 में "मार्गदर्शन दस्तावेज - भारत में तपेदिक के रोगियों के लिए पोषण देखभाल और सहायता" के साथ आया था।



- कई संस्थाओं ने टीबी के मरीजों को दवा के साथ अंडा, मिल्क पाउडर, दाल, बंगाल चना, मूंगफली और खाना पकाने का तेल उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है।
- छत्तीसगढ़ ने मूंगफली, मूंग दाल और सोया तेल की आपूर्ति की,
- अप्रैल 2018 से, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निक्षय पोषण योजना के तहत, सभी राज्यों ने टीबी रोगियों को भोजन खरीदने के लिए ₹500 प्रति माह की नकद सहायता देना शुरू कर दिया है।

पर्याप्त संतुलित भोजन का सेवन, विशेष रूप से गरीबों द्वारा, टीबी को रोकने के लिए एक टीके के रूप में काम कर सकता है, खाद्य टीका सभी नागरिकों के लिए संविधान के तहत जीवन के लिए गारंटीकृत अधिकार है, खासकर टीबी रोगियों के लिए, इस प्रकार, भारत में टीबी की घटनाओं को कम करने और टीबी मृत्यु दर को कम करने के लक्ष्यों को कुपोषण को संबोधित किए बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

